शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

शैक्षिक, सामाजिक, नैतिक एवं ज्ञानवर्धक गीतों का संग्रह

गीतांजलि सृजन

(क्रमांक 159 से 185 तक)

(माह- दिसम्बर 2022)

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 01/12/2022

दिन- गुरुवार

159

बेटियों को खूब पढ़ाना है

तर्ज- साजन मेरा उस पार है

बेटियों को खूब पढ़ाना है,
समाज में अब परिवर्तन लाना है।

बेटियाँ खूब पढ़ लिख जाएँगी,
शिक्षा का परचम वो लहराएँगी।।
बेटियों से सुन्दर ये संसार है,
बेटियाँ तो ईश्वर का उपहार हैं।

बेटियों को खूब पढ़ाना है,
समाज में अब परिवर्तन लाना है...

बेटियाँ जब शिक्षा पाएँगी,
देश का मान वो बढ़ाएँगी।
बेटियाँ तो घर-परिवार सवाँरती,
बेटियाँ दो कुलों को तारती।।

बेटियों को खूब पढ़ाना है,
शिक्षा का अधिकार अब दिलाना है....

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

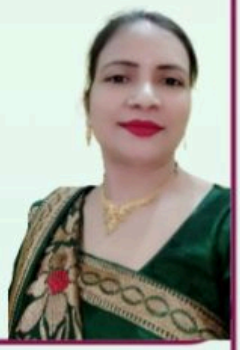

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 02/12/2022

दिन- शुक्रवार

160

हम हैं करेंगें

तर्ज- ओ साथी रे...

हमने है ठाना, हम हैं करेगें,
जीवन में सबके रंग हैं भरेगें।
चाहे रोके जमाना,
हमको है आगे जाना..

खुशियाँ सभी में बाँटेंगे हम तो,
दु:ख सबके कम करेगें।
हँसते, मुस्काते, यूँ खिलखिलाते,
जीवन में सबके रंग हैं भरेगें।।
चाहे रोके जमाना,
हमको है आगे जाना ...

कष्ट मिले हैं उसे जिसने भी चाहा,
दुनिया को थोड़ा बदलना।
बिछेगें काँटे राहों मे तेरी,
तुमको पड़ेगा सम्भलना।।
चाहे रोके जमाना,
हमको है आगे जाना....

मंजिल मिलेगी तुमको स्वत: ही,
मन में जो तुमने है ठाना।
पहुँचो कही भी लेकिन तुम,
वादे अपने निभाना।।
चाहे रोके जमाना,
हमको है आगे जाना....

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 03/12/2022

दिन- शनिवार

161

अजन्मी बेटी की पुकार...

तर्ज़- कभी फुर्सत हो तो जगदम्बे.....

अन्त ही करना था मेरा तो क्यों किया आबाद मुझे,
मैं भूल नहीं सकती कुछ भी तेरी हर बात है याद मुझे।

मेरे होने की शंका से, सारे दिन ही तू रोयी थी,
मेरे खोने की शंका से, तू सारी रात ना सोई थी।

फिर माँ क्यों मुझसे रुठ गयी और दे दिया आघात मुझे,
मैं भूल नहीं सकती कुछ भी तेरी हर बात है याद मुझे।

तूने माँ मुझको जन्म दिया, और फिर मरने को छोड़ दिया,
जीने का वादा कर कर के, अपना वादा क्यों तोड़ दिया।

मुझको कूड़े में फेंक दिया, क्यों किया यूँ बर्बाद मुझे,
मैं भूल नहीं सकती कुछ भी, तेरी हर बात है याद मुझे।

बेटी हो चाहे बेटा हो, दोनों ही घर की शान है,
बेटा यदि कुल का दीपक है, तो बेटी घर की आन है।

मेरी यह सबसे विनती है, कर दो अब तो आजाद मुझे,
मैं भूल नहीं सकती कुछ भी, तेरी हर बात है याद मुझे।

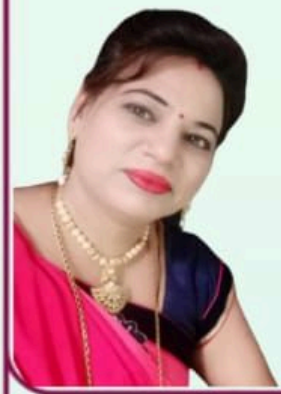

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 05-12-2022

दिन- सोमवार

162

तर्ज- जो तुम्हे चाहे उसको सताना

गीत- प्रदूषण जागरूकता

वातावरण को प्रदूषित बनाना,
अच्छी बात नहीं, अच्छी बात नहीं।
नदियों में यूँ कचरा फैलाना,
अच्छी बात नहीं, अच्छी बात नहीं।।

चाहे गली हो, चाहे सड़क हो,
कचरा हमारे न घर तलक हो।
अपने घर को सुन्दर बना लो,
साफ-सफाई की आदत बना लो।।

सड़कों पर यूँ कचरा फैलाना।
अच्छी बात नहीं, अच्छी बात नहीं।।

अपनी गली को तुम साफ कर दो,
गर हो सके तो डस्टबीन धर दो।
सूखे कचरे को हरे डस्टबीन में डालो,
गीला, नीले में यह आदत बना लो।।

घर के कचरे को सड़क में फैलाना,
अच्छी बात नहीं, अच्छी बात नहीं।
वातावरण को प्रदूषित बनाना,
अच्छी बात नहीं, अच्छी बात नहीं।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक-6/12/2022

दिन-मंगलवार

163

तर्ज: लोकगीत

बिटिया

जनम लिहिन बेटी समय शुभकारी,
जिनगी क जोती बेटी, हर्षित महतारी।

एही हमरे अँगना का सोनचिरैया,
एही बाटीन देशवा क तारणहारी।

जिनगी क हमरे दुखवा ई हरिहे,
नेह क लहरिया से भरल पिचकारी।

गर बेटी पढ़िहे तो घर होई रोशन,
अलख जगाई बन चिनगारी।

अँचरा में बन्धल बाँटे ममता औ माया,
ईही बाटीन सृष्टि क अधिकारी।

रचना

शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुर्धवा (1-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 07.12.2022

दिन- बुधवार

164

तर्ज- पकड़ लो हाथ वनवारी...

गीत- पढ लो मन लगाकर तुम

पढ लो मन लगाकर तुम,
सभी गुण तेरे गाएँगे।
समय न व्यर्थ में खोना,
गये छण फिर न आएँगे।।

1- तुम्हीं से देश अपना है,
तेरा परिवार है तुमसे।
निगाहें सबकी तुम पर हैं,
सभी कहते हैं ये हमसे।।
ये सुन्दर बाल पढ़-लिखकर,
नयी राहें बनाएँगे।
पढ लो..... गाएँगे।।

2- जगत तुमसे थमा ये है,
न कि तुम हो जगत से सुन।
तुम्हारे भाल पर बरसें,
सफलता के ये अगणित कण।।
सफल होके जगत में नाम,
इक दिन कर दिखाओगे।
पढ लो..... गाएँगे।।

रचना- जुगल किशोर त्रिपाठी (शि0मि0)
प्रा0 वि0 बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 08/12/2022

दिन- गुरुवार

165

तर्ज़- झिलमिल सितारों का आँगन होगा

शिक्षक दिवस (गुरु का सम्मान)

शिक्षक ने शिक्षा का दीप जलाया,
निरक्षर बच्चों को साक्षर बनाया।
उंगली पकड़कर जिसने लिखना सिखाया।।

अज्ञान का तिमिर ज्ञान फैलाकर भगाते,
जीवन की कठिन राह को सुगम बनाते।
दुनिया में शिक्षा की ज्योति जलाया,
निरक्षर बच्चों को साक्षर बनाया।।

सत्य की राह पर चलना सिखाया है,
अज्ञानी से ज्ञानी हमें गुरुवार ने बनाया है।
सारा जगत गुरु का यश ज्ञान गाया,
निरक्षर बच्चों को साक्षर बनाया।।

भगवान से भी ऊँचा स्थान है गुरुदेव का,
ज्ञान की बरखा से जनमानस को सींचा।
गुरु पद में निज सिर प्रभु ने झुकाया,
निरक्षर बच्चों को साक्षर बनाया।।

शिक्षक दिवस पावन पर्व है सुहाना,
गुरुओं को सम्मान जग में दिलाना।
पाँच सितम्बर को यह दिन मनाया,
निरक्षर बच्चों को साक्षर बनाया।।

रचना
मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 09.12.2022

दिन- शुक्रवार

166

आओ सीखें...

तर्ज- आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ...

आओ, आओ प्यार बच्चों, खेलें हम सब खेल जी,
कोई डिब्बा, कोई इंजन, चलो बनाएँ रेल जी।
निपुण बनेंगे हम, निपुण बनेंगे हम।।

पहले खालें मीठे फल, फिर ही करते हैं काम,
सेब, पपीता, केला, खरबूजा और आम।
प्यारे प्यारे बच्चों 5 fruits name बताना,
Apple, mango, orange, grapes and banana.
सब कुछ सीखेंगे अब हम तो नहीं बनेंगे फेल जी।
कोई डिब्बा, कोई इंजन, चलो बनाएँ रेल जी।
निपुण बनेंगे हम, निपुण बनेंगे हम।।

आओ! देखें, सब्जियाँ अब हम बाजार जाकर,
मूली, पालक, आलू, गाजर और टमाटर।
आओ! देखें, vegetables हम market में जाकर,
Brinjal, potato, tomato, carrot, cauliflower.
सब कुछ सीखेंगे अब हम तो नहीं बनेंगे फेल जी,
कोई डिब्बा, कोई इंजन, चलो बनायें रेल जी।
निपुण बनेंगे हम, निपुण बनेंगे हम।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, अलीगढ़, उ०प्र०

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 10.12.2022

दिन- शनिवार

167

तर्ज- एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल

गीत- हिम्मत और मेहनत

एक दिन झुक जाएगा यह विश्व अपने आप,
एक दिन मिल जाएगी विश्व गुरु की पहचान।

अपनी हिम्मत से तू आगे बढ़ता जा,
राह में आए बाधा तो पार करता जा।
तुझसे है यह दुनिया तुझसे सारा जहां,
तुझ जैसा हौसला हर किसी में कहाँ।।

एक दिन झुक जाएगा------
एक दिन मिल जाएगी------
ला ला लाल्ला ला ला...

अपने कर्मों को तु नहीं धर्म से तोल,
सभी तेरे अपने सबसे मीठा बोल।
बार-बार नहीं मिलता जग में सबको,
यह जीवन है अनमोल।।

देखे जो सपने हैं सच करने होंगे,
मेहनत से डरना नहीं संग अपने होंगे।
पीछे मुड़कर ना देख आगे चलता जा,
विश्व पताका थामें हाथ में आगे बढ़ता जा।।

एक दिन झुक जाएगा------
एक दिन मिल जाएगी------
ला ला लल्ला ला...

एक दिन झुक जाएगा------
एक दिन मिल जाएगी------
ला ला लल्ला ला...

रचना- सीमा शर्मा (स0अ0)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 12/12/2022

दिन- सोमवार

168 गीत- हे भैया हमहूँ किसानी करीला

तर्ज़- लोकगीत

धरती से सोना उगावत चली ला,
हे भैया! हमहूँ किसानी करी ला।

देशवा के नन्हा सा हमहूँ सिपाही,
खेतवन में फल-फूल सब्जी उगाईं।
देशवा के अन्न भण्डार भरी ला।।
हे भैया!.....

भूख औ पियसिया के सब दिन भुलाईं,
खेतवा में रात अऊर दिनवाँ बिताईं।
सुन्दर सपनवाँ के खातिर मरी ला।।
हे भैया!.....

फसल लहरात देखि मंद मुसकाईं,
बिगड़ी फसलिया पे अँसिया बहाईं।
किसमत के लेखा के मानत फिरीला।।
हे भैया!.....

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
वि० क्षे०-बड़ागाँव
जनपद-वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 13-12-2022

दिन- मंगलवार

169

तर्ज- दुश्मन न करे दोस्त ने वो काम किया है....

गीत- विज्ञान के आविष्कार

विज्ञान के अविष्कार ने वो काम किया है।
जीवन में तरक्की का इनाम दिया है।।

चिट्ठी को हम छोड़कर ई मेल पे आ गये,
कम्प्यूटर ने हर काम को आसान किया है।
विज्ञान के अविष्कार ने वो काम किया है,
जीवन में तरक्की का इनाम दिया है।।

पहले तो पैदल चलते थे मीलों के रास्ते,
रेलगाड़ी, बस ने सफर आसान किया है।
विज्ञान के अविष्कार ने वो काम किया है,
जीवन में तरक्की का इनाम दिया है।।

चिरागों को छोड़ पायी हैं हमने बिजलियाँ,
सिल बट्टे को छोड़ मिक्सी को थाम लिया है।
मोबाइल से पास मिलते हैं वो जो दूर थे,
घर बैठे उच्च शिक्षा का इनाम मिला है।।

विज्ञान के अविष्कार ने वो काम किया है।
जीवन में तरक्की का इनाम दिया है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 14/12/2022

दिन- बुधवार

170

तर्ज: नदिया कहे कहे रे धारा...

ज्ञान की गंगा

बहती रहे मिशन की धारा,
ज्ञान का ऐसा है ये पिटारा।
तुमको पढ़ना होगा, बच्चों! पढ़ना होगा।।

ज्ञान की आभा चमकती हमेशा,
सज जाता है इससे जीवन सभी का।
ज्ञान नही है तो विज्ञान कहाँ है?
दीपक जलता रहेगा, इसका जलता रहेगा।।

जीवन के पथ को सरल ये बनाये,
अज्ञानता के ये तम को भगाये।
जो होगा शिक्षित समाज हमारा,
देश बढ़ता रहेगा, भारत बढ़ता रहेगा।।

रचना

शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुर्धवा (1-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 15/12/2022

दिन- गुरुवार

171

तर्ज़- तेरी आँख्या का वो काजल

शीर्षक- नामांकन गीत

चाचा-चाची सब आओ, बच्चों का नाम लिखाओ।
अनपढ़ रह जाए न कोई हर घर में दीप जलाओ।
सरकारी स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ाना है,
शिक्षा का यह अधिकार सभी को दिलाना है।।

बेटा हो या हो बेटी कोई छूटे ना इस बार।
नया सत्र आया है चलो हो जाओ तैयार।।
शिक्षा ही सब की पूँजी जो देश का मान बढ़ाये,
नामांकन आओ करायें हर बच्चा लक्ष्य को पाये।
सर्व शिक्षा का अभियान आओ चलाना है।।

निशुल्क मिलेगी शिक्षा स्कूल है सरकारी।
पढ़-लिखकर बन जाते हैं यहाँ बच्चे अधिकारी।।
मृग के लिए जैसे कस्तूरी, ऐसे ही पढ़ाई जरूरी,
आओ कदम से कदम मिलायें बच्चों की इच्छा हो पूरी,
बेसिक के सितारों को हमें अब चमकाना है।।

चिंकी, पिंकी और बंटी शीला मुन्नी आओ।
पहला कर्तव्य तुम्हारा शिक्षा को तुम अपनाओ।
निशुल्क मिलेगा भोजन, जूते मोजे भी पाओ,
बस्ता संग किताब ड्रेस, सर्दी में स्वेटर पाओ
शिक्षा को मिलकर घर-घर तक पहुँचाना है।।

रचना
मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 16/12/2022

दिन- शुक्रवार

172

तर्ज: जादू भरी आँखों वाली सुनो
गीत: नदिया जीवन की धार

नदिया को तुम गन्दा न करो, नदिया तो पावन धाम है।
इनसे ही जीवन है अपना, इनसे ही सब आराम है।।
नदिया तो------

नदिया तो कलकल बहती है और जीवन को महकाती है,
नदियों के किनारे पर ही तो मानव बस्ती बस जाती है।
चाहे सिंधु घाटी या हड़प्पा, नदिया से ही पहचान है।।
नदिया को----

नदिया का जल तो जीवन है वरना प्यासे मर जाएँगे,
नदिया का जल है लाजमी ना तो काम सभी रुक जाएँगे।
जीवन को देती है गति, जीवन की यही तो धार है।।
नदिया को----

नदिया का पानी मीठा है खारे सागर को पूछे कौन?
नदिया बहती ही जाती है और कर्म करे अपना वो मौन।
जब उनको गन्दा हम करते तब क्रोध में करे कोहराम है।।
नदिया-----

रचना-
ऋतु अग्रवाल (स०अ०)
रागिनी संगीतशाला,
ब्रह्मपुरी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 17.12.2022

दिन- शनिवार

173

गीत- वृक्षों की छाया...

तर्ज- जनम-जनम का साथ है हमारा-तुम्हारा, तुम्हारा-हमारा....

जनम-जनम से साथ है इन वृक्षों की छाया,
हाँ इन वृक्षों की छाया।
अगर न मिलते ये हमको, बचता न जीवन हमारा,
जनम-जनम से साथ है इन वृक्षों की छाया।
हाँ इन वृक्षों की छाया।।

नन्हा सा पौधा लगाके, वृक्ष बड़ा बन जाये,
और एक वृक्ष सभी को, जीवन देता जाये।
बरगद, पीपल, नीम से शीतल वातावरण हमारा,
जनम-जनम से साथ है इन वृक्षों की छाया।
हाँ इन वृक्षों की छाया।।

भोजन, ईंधन, औषधि देते हैं भरपूर,
इन वृक्षों की रक्षा करना सभी जरूर।
हरी-भरी धरती को करें, हो जीवन सुखद हमारा,
जनम-जनम से साथ है इन वृक्षों की छाया।
हाँ इन वृक्षों की छाया।।

बढ़ती जनसंख्या ने विपदाएँ हैं बढ़ायी,
बाढ़ और सूखे जैसी आफत सभी बुलायी।
करो विचार अभी फिर वृक्षारोपण अभियान चलाना,
जनम-जनम से साथ है इन वृक्षों की छाया।
हाँ इन वृक्षों की छाया।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 19/12/2022

दिन- सोमवार

174

*तर्ज़- भला किसी का कर न सको तो-----

गीत- मत बाँटो इंसान को

बाँट दिया है सब कुछ तुमने,
मत बाँटो इंसान को।
धर्म-कुल और जात-पात में,
ना लाओ इंसान को।।

हम सब हैं माटी के पुतले,
रचना सभी की एक समान।
पाँच तत्वों से मिलकर बने,
उस मालिक की देह महान।।

डोर उसी के हाथ में सबकी,
कब खींचे कब जीवनदान।
इंसानियत पहचान है सबकी,
रहती हमेशा सबके साथ।।

सबसे बड़ा धर्म मानवता,
मत भुलाओ पहचान को।।

भूखा ना सोए कभी कोई,
ऐसा जतन करो सब मिलकर।
दान-पुण्य को सर्वोपरि रख,
सेवा-भाव अपनाओ बढ़कर।।

सब धर्मों से प्यार करो,
सब धर्मों का सम्मान करो।
भेदभाव न रखो दिल में,
एकता का प्रचार करो।।

मिलजुलकर सब रहो यहाँ,
भुलाकर हर अपमान को।।

रचना -सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 20/12/2022

दिन- मंगलवार

175 गीत- जय जवान

तर्ज़- लोकगीत

मधुर मुस्कान खिल होठवा पे जिनके,
गोलिया चलावें दुश्मनवा पे।
धन्य-धन्य देश के रतनवाँ जे अद्भुत,
पहरा दें दिन-रात सीमवाँ पे।।

छोड़ि सारा सुखवा, भुलाई सारा दुखवा,
सह लेन तूफान आँधी सीनवाँ पे।
रतिया अन्हरिया हो चाहे दुपहरिया,
हर घड़ी निगाह दुश्मनवाँ पे।।
धन्य-धन्य.....

तनवाँ के फिक्र नाहीं, मनवाँ में देशप्रेम,
देश प्यारा बाटे अपने जनवाँ से।
दुश्मन के हरकत पे भारी पड़ें सब दिन,
लहरे तिरंगा जल, थल, नभ में।।
धन्य-धन्य.....

अद्भुत, अदम्य साहस हर पल दिखावें,
शान्ति और सुकून मिले देशवा के।
तोहहीं से बाटे शान देशवा के अपने,
अमर कीर्ति फैले सारे जगवा में।।
धन्य-धन्य.....

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
वि० क्षे०–बड़ागाँव
जनपद–वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 21/12/2022

दिन- बुधवार

176

तर्ज: दिल लूटने वाले जादूगर....

गीत- बेटियाँ

मेरी जीवनदाता अरज सुनो,
इक बेटी देती दुहाई है।
आने दो मुझको जग में माँ,
ये तेरी ही परछाई है।।

रिद्धि-सिद्धि और लक्ष्मी माँ,
आ जायें वहाँ ये रहे जहाँ।
आनन्द की बारिश होती है,
जब हँसती है, खुश होती है।
निर्बल को भी बलवान करे,
दुर्गा है, काली माई है।।

ममता की मूरत है बेटी,
करुणा की सूरत है बेटी।
हर दुःख में साथ निभाएगी,
घर में खुशियाँ बरसाएगी।
सब जीव जगत का भार लिये,
ये जननी है, महामाई है।।

बेटों से बढ़कर बेटी है,
दो कुल का गौरव होती है।
हर घर की ये फुलवारी है,
सम्मान की ये अधिकारी है।
बेटी तो रुनझुन पायल है,
बेटी से ही शहनाई है।।

हर रीत जगत की है बेटी,
हर प्रीत जगत की है बेटी।
अंगना की तुलसी है बेटी,
पूजा की कलसी है बेटी।
कमजोर न समझो जग वालों,
ये मनु है, लक्ष्मीबाई है।।

रचना

शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुर्धवा (1-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 22-12-2022

दिन- गुरुवार

177

निपुण भारत बनाएंगे

तर्ज–लोकगीत

शिक्षक हित की बात करेंगे,
नया युग हम लाएँगे।
शिक्षा का स्तर बढ़ाकर,
भारत निपुण बनाएँगे।।

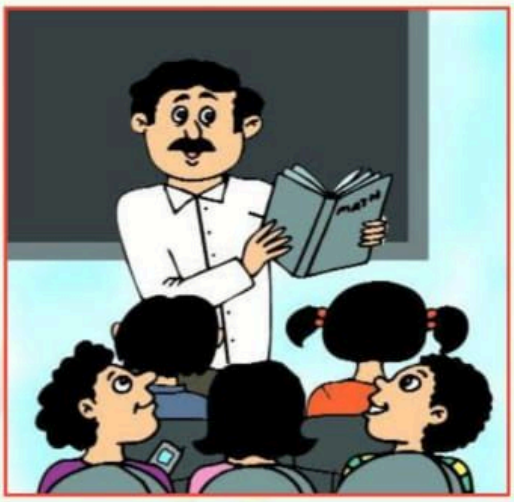

कक्षा एक की कक्षाएँ भी,
अपनी दक्षता पाएँगी।
सरल शब्द को पढ़कर,
अब सब अर्थ बनाएँगे।
होगी दृढ़ता शिक्षा में,
हम नभ तक जाएँगे।।
शिक्षा का स्तर बढ़ाकर,
भारत.....

कक्षा दो में होगी बातें,
जोड़ और घटाव की।
अर्थ आधारित शिक्षा की,
और होगी बात ठहराव की।
सभी रचेंगे नई कहानी,
साथ हाथ बढ़ाएँगे।।
शिक्षा का स्तर बढ़ाकर,
भारत....

समस्याएँ अब हल होंगी,
कक्षा तीन के साथ में।
भाषा, गणित के लक्ष्य मिलेंगे,
अब तो गायन-वादन साथ में।
करें सुसज्जित शिक्षा को,
संस्कारों से सजाएँगे।।
हम भारत के शिक्षक,
भारत निपुण बनाएँगे।।

रचना–
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद– गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 23/12/2022

दिन- शुक्रवार

178

तर्ज- ए वतन, ए वतन
देशभक्ति गीत- वतन की आन

हम वतन की आन पर जाँ को लुटाएँगे,
देश के वीरों की गाथा हम सुनाएँगे।
हम वतन की आन------

जिस देश में जन्मे शिवाजी और प्रताप हैं,
गूँजती फ़िज़ाओं में चेतक की टाप है।
उस देश की मिट्टी से हम तिलक लगाएँगे।।
हम वतन की आन--------

जीजाबाई, माता पन्ना धाय हों जहाँ,
कैसे ना फिर वीर पुत्र पैदा हों वहाँ।
हम धरा की रक्षा को निज रक्त बहाएँगे।।
हम वतन की आन---------

गंगा, यमुना, नर्मदा सींचती हमें,
चोटियाँ हिमालय की खींचती हमें।
हर मिशन पे अपना तिरंगा फहराएँगे।।
हम वतन की आन--------

रचना-
ऋतु अग्रवाल (स०अ०)
रागिनी संगीतशाला,
ब्रह्मपुरी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 24-12-2022

दिन- शनिवार

179

तर्ज- काल्यो कूद पड्यो मेला में

गीत- मतदान हमारा अधिकार

वोट की शक्ति कूं पहचानि,
बहन भैया लेयो मन में ठानि,
करौ तुम मिलकर कैं मतदान,
यही अधिकार हमारौ रे।
आ रा रा रा रा रा रा

लोभ, लालच में नाय आनौ,
काऊ की बात नाय मानौ,
जो मन में तुमने है ठानौ,
वोट त्योहार हमारौ रे।
आ रा रा रा रा रा रा

बूथ पै स्वेच्छा से जाइकैं,
अंगुली पै स्याही लगवाइकैं,
ईवीएम कौ बटन दवाइकैं,
वोटन कौ देखौ नजारौ रे।
आ रा रा रा रा रा रा

लोकतान्त्रिक है देश अपनौ,
सही सरकार तुम्हें चुननौ,
साकार हो भारत कौ सपनों,
हक ना छूटे हमारो रे।
आ रा रा रा रा रा रा

लियौ अबकैं हमनै यह ठान,
वोट करिके ही करें जलपान,
करें भारत को नव निर्माण,
कसम हमनै यह खायौ रे।
आ रा रा रा रा रा रा

वो चाचा चाची भाई जान,
सुनो वो बब्बू अम्मी जान,
वो रामू एडिशन व रहमान,
बूथ पै सभी पधारो रे।
आ रा रा रा रा रा रा

रचना

मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद
जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 26.12.2022

दिन- सोमवार

180

तर्ज- झिलमिल सितारों का आँगन होगा...

गीत- हमें बेटियों को पढ़ाना होगा

हमें बेटियों को पढ़ाना होगा,
जागरूक सबको बनाना होगा।
बंदिशों से उनको मुक्त कराना होगा,
हमें बेटियों को पढ़ाना होगा।।

इनको बेटों के समान अवसर दिलाएँगे,
पंख उनको देंगें और उड़ना सिखाएँगे।
खुलकर बेटियों को मुस्काना होगा,
जागरूक सबको बनाना होगा।।

पढ़ा-लिखाकर उनको स्वावलम्बी बनाएँगे,
सभ्यता, संस्कृति एवं संस्कार सिखाएँगे।
अधिकार उनको सब दिलाना होगा,
जागरूक सबको बनाना होगा।।

देश और दुनिया में बेटी नाम कमाएगी,
मात-पिता का जग में मान बढ़ाएगी।
स्वप्न बेटियों को सजाना होगा,
जागरूक सबको बनाना होगा।।

नहीं किसी से कम हैं ये दिखाना होगा,
जन्म देकर दुनिया में लाना होगा।
हमें बेटियों को पढ़ाना होगा,
जागरूक सबको बनाना होगा।।

रचना- पूनम नैन (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 (1-8) मुकंदपुर
छपरौली, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 27-12-2022

दिन- मंगलवार

181

गीत - पढ़ाई का महत्व

तर्ज़ - लोकगीत

बात समझाई सबके बहुते ही खास हो,
पढ़ाई बिना होई नाही भईया विकास हो।।

अभी नाही पढ़ ब त पीछे पछतइब,
अनपढ़ रह ब त सबसे ठगइब।
बिना रे पढ़ाई देख जिनगी बेकार बा,
जानि नाही पइ ब का तोहार अधिकार बा।
ना मिली रोजगार कऊनो रह ब निराश हो,
पढ़ाई बिना होइ नाही भईया विकास हो।।
बात समझाई.....

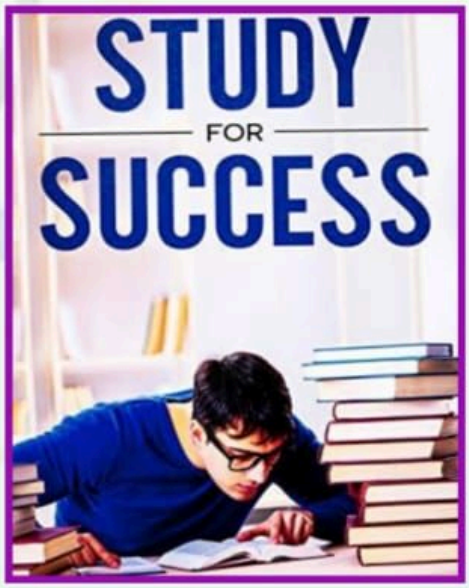

ज्ञान हऊवे देख भईया अनमोल मोती,
चुराई नाहीं केहु दिन-दिन बढ़ी एकर ज्योति।
गाँव-गाँव, घर-घर मनई जब पढ़िहें,
देश के विकास में ऊ योगदान करिहें।
पढ़ाई से ही आई जिनगी में ऊजास हो,
पढ़ाई बिना होइ नाही भईया विकास हो।।
बात समझाई.....

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, ज०- सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 28-12-2022

दिन- बुधवार

182

तर्ज मुझे इश्क है तुझी से.....

गीत- नशे की लत बुरी

जिसे नशे की लत लगी, उसकी बिगड़ी जिन्दगानी।
जीवन खराब होगा, यह है नशे की कहानी।।

जिसने सिगरेट खूब पी है, फेफड़ों में हुई कमी है,
तम्बाकू खाने वालों की, संख्या बहुत बढ़ी है।
इस शौक पर हुई है, बर्बाद जिन्दगानी,
जीवन खराब होगा, यह है नशे की कहानी।।
जिसे नशे की....

शराब पी के आये, तो कदम लड़खड़ायें,
सही गलत को भूले, बीबी बच्चो को रुलाये।
शराब ने भुलायी, सही थी जो बातें,
शराब में लुटायी, अपनी सारी कमाई।
जीवन खराब होगा, यह है नशे की कहानी।।
जिसे नशे की....

न स्वास्थ्य रहे सलामत, न जीवन का रहता ठिकाना,
न फेफड़े रहें सलामत, कैंसर की मिले अमानत।
नशे की लत से बिगड़ा, तुम्हारा आशियाना,
बच्चें बर्बाद होंगे, तुम्हें पड़ेगा पछताना।।
जिसे नशे की....

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 29.12.2022

दिन-गुरुवार

183

अंग्रेजी वर्णमाला गीत

तर्ज-मुबारक हो तुमको ये शादी तुम्हारी....

चलो मिल के पढ़ लें, ये वर्णमाला प्यारी,
है छब्बीस फूलों की, सुन्दर सी क्यारी।
ये भाषा विदेशी, मगर लगती न्यारी...
है दुनिया में सबकी, हृदय से दुलारी....
चलो मिल के पढ़ लें, ये वर्णमाला प्यारी...
है छब्बीस फूलों की, सुन्दर सी क्यारी...

है Father पिता, तो Mother कहते माई,
बहन होती Sister, Brother कहते भाई।
Uncle है चाचा, तो मैं होता I,
तुम U है, We हम, तो मेरा है My.
चलो मिल के पढ़ लें, ये वर्णमाला प्यारी...
है छब्बीस फूलों की, सुन्दर सी क्यारी...

अंग्रेजी भाषा के अक्षर हैं न्यारे,
इसी भाषा में काम होते हैं सारे।
पढ़ो ए, बी, सी, डी, ई, एफ, जी दुलारी,
एच, आई, जे, के, एल, एम गाओ री प्यारी।
चलो मिल के पढ़ लें, ये वर्णमाला प्यारी...
है छब्बीस फूलों की, सुन्दर सी क्यारी...

एन, ओ, पी, क्यू, आर को गुनगुनाना,
एस, टी, यू, वी के सँग खुशियाँ मनाना।
कि डब्ल्यू के संग खेलने रोज आना,
एक्स, वाई, जेड मित्र अपने बनाना।
कि पढ़ लो ये भाषा विदेशी है न्यारी।
चलो मिल के पढ़ लें, ये वर्णमाला प्यारी...
है छब्बीस फूलों की, सुन्दर सी क्यारी...

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 30.12.2022

दिन- शुक्रवार

184

गीत- तिरंगा

तर्ज- यह जो मोहब्बत है....

यह जो तिरंगा है हमारा अभिमान,
है ये वतन की जान और शान।
मर गये थे, मिट गये थे, हो गये थे कुर्बान,
आजादी की बलिवेदी पर चढ़ गए थे जवान।
इसकी खातिर समर्पित हुआ,
देश का नौजवान।।
यह जो तिरंगा है.....

देखो कैसे मस्त पवन में फर-फर ये उड़ता है,
इसके रंगों से युवा, बच्चा, बूढ़ा जुड़ता है।
है ये अपना स्वाभिमान,
यह जो तिरंगा है हमारा अभिमान।।
यह जो तिरंगा है.....

3 रंगों से सजा तिरंगा सन्देशा दे जाता,
कोई शत्रु देश पे मेरे आँख उठा ना पाता।
जयघोष से है गुंजायमान,
ये जो तिरंगा है हमारा अभिमान।
है ये वतन की जान और शान।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, अलीगढ़, उ०प्र०

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 31.12.2022

दिन- शनिवार

185

तर्ज–तेरा मेरा प्यार अमर

गीत- शिक्षा ज्योति

शिक्षा ज्योति जलाएँगे हम,
अब आँखें नहीं होंगी नम।
बेटी-बेटा पढ़ाएँगे हम,
कलरव अब गूँजे हरदम।।

आज से कसम ये लें,
ये कारवां जारी रहे।
हों सुशिक्षित लड़कियाँ,
हर छात्र संस्कारी बने।
प्रकृति का है यही आह्वान,
जग में गूँजे शिक्षा का ज्ञान।।
बेटी-बेटा.....

हैं निरक्षर अब जो जन,
उनको साक्षर करेंगें हम।
कर्तव्य अब निभाएंगे,
हम शिक्षा दीप जलाएँगे।
अज्ञान तिमिर अब हारेगा,
शिक्षा को ही पुकारेगा।।
बेटी बेटा....

दिव्य ज्ञान प्रकाश में,
छट गया है हर अंधेरा।
मानवता अब पुकारती,
ना हो कुछ तेरा मेरा।
शान्ति, एकता लाएंगे हम,
शिक्षा ज्योति जलाएँगे हम।।
बेटी-बेटा....

रचना- सुषमा त्रिपाठी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 रुद्रपुर खजनी
जनपद- गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

रचनाकारों की सूची

01- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
02- भावना शर्मा, मेरठ
03- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
04- शहनाज बानो, चित्रकूट
05- शालिनी गुप्ता, सोनभद्र
06- जुगलकिशोर त्रिपाठी, झाँसी
07- मंजू शर्मा, हाथरस
08- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
09- सीमा शर्मा, बागपत
10- अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
11- ऋतु अग्रवाल, मेरठ
12- शिखा वर्मा, सीतापुर
13- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
14- पूनम नैन, बागपत
15- सुमन सिंह, सोनभद्र

मार्गदर्शन
राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

तकनीकी सहयोग
जितेन्द्र कुमार, बागपत
ज्योति सागर, बागपत
नैमिष शर्मा, मथुरा

संकलन :- काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद